

धोरण : ५

हिन्दी

इकाई : १९

सच्चा बालक

जीवन-प्रसंग



एक समय की बात है । एक लम्बा काफिला  
बगदाद की ओर जा रहा था। रास्ते में उस पर डाक्  
टूट पड़े और लूटमार करने लगे। उस काफिले में एक  
नौ वर्ष का बालक था । वह एक ओर चुपचाप खड़ा  
रहकर इस लूटमार को देख रहा था।

एक डाक् की नजर उस लड़के पर पड़ी।

लड़के के पास आकर वह डाकू कड़ककर बोला, “तेरे पास भी  
कुछ है ?”

लड़का - “मेरे पास चालीस अशरफियाँ हैं।”

डाकू (चकित होकर) - “क्या कहा ? तेरे पास चालीस  
अशरफियाँ हैं ?”

लड़का - “जी हाँ।”

डाकू लड़के का हाथ पकड़कर सरदार के पास ले गया । उसने  
अपने सरदार से कहा, “यह लड़का अपने पास चालीस अशरफियाँ  
बताता है।”

सरदार (लड़के से) - “तेरी अशरफियाँ कहाँ हैं ?”

लड़के ने अपनी सदरी को फाड़कर उसमें छुपी अशरफियाँ निकाली । उन्हें सरदार के सामने रखते हुए कहा, “यह देखो।“

सरदार (आश्चर्य से) - “लड़के ! अशरफियों को इस प्रकार से रखने का उपाय तुम्हें किसने बताया ?”

लड़का - “मेरी माँ ने इनको सदरी के अस्तर में सी दिया था जिससे किसी को पता न चले।“

**सरदार- “तो तूने अशरफियों का पता हमें क्यों बता दिया ?”**

**लड़का - “मैं झूठ कैसे बोलता ? मेरी माँ ने कहा था, “बेटा,  
सदैव सच बोलना । झूठ बोलना पाप है।”**

**सरदार (डाकुओं से) - “यह छोटा बच्चा अपनी माँ का इतना  
कहना मानता है कि ऐसे संकट में भी झूठ नहीं बोला। हम लोग बड़े  
होकर भी ईश्वर के बताए नेक रास्ते पर नहीं चलते और लूटमार  
करते रहते हैं।”**

सब डाकू - “सरदार, बात तो ठीक है।”

सरदार (डाकुओं से) – “इनका लूटा हुआ सामान इन्हें वापस कर दो।” (डाकुओं ने सब सामान वापस कर दिया और आगे कभी लूटमार न करने की प्रतिज्ञा की।)

सच बोलनेवाले इस बालक का नाम अब्दुल कादिर था । बड़ा होकर यह बालक महान सन्त हुआ। उनकी समाधि बगदाद में है। वहाँ प्रत्येक वर्ष बड़ी संख्या में लोग दर्शन के लिए जाते हैं।

# शब्दार्थ

काफिला	- यात्रियों का समूह	समाधि	- मकबरा, मजार
अशरफ़ियाँ	- सोने के सिक्के	माँ	- जननी, माता
वापस करना - लौटाना		सदैव	- हमेशा, सर्वदा
सदरी	- जाकिट	नेक	- ईमानदार
सरदार	- नेता	ईश्वर	- भगवान, प्रभु
अस्तर	- सिले कपड़े के भीतर की तह		

# मुहावरे

नेक रास्ते पर चलना - सही रास्ते पर चलना

कड़ककर बोलना - कठोरता से बोलना

## अध्यास

### 1. ऐसा क्यों कहा?

- (1) सरदार के पूछने पर लड़के ने कहा, “मेरे पास चालीस अशरफियाँ हैं।”
- लड़के से उसकी माँ ने कहा था - “बेटा, सदैव सच बोलना, झूठ बोलना पाप है।” लड़के ने उसकी माँ की सीख मान ली थी। वह अपनी माँ के साथ गदारी करना नहीं चाहता था। इसलिए सरदार के पूछने पीआर लड़के ने साफ-साफ बता दिया - “मेरे पास चालीस अशरफियाँ हैं।”

**(2) सरदार ने डाकुओं से कहा, “लूटा हुआ सामान वापस कर दो।”**

➤ लड़के ने अपनी माँ की सीख के अनुसार डाकुओं को साफ-साफ बता दिया की उसके पास चालीस अशरफियाँ हैं। लड़के की यह ईमानदारी देखकर सरदार प्रभावित हुआ और लूटमार से उसे नफरत हो गई। इसलिए सरदार ने डाकुओं से कहा - “लूटा हुआ सामान वापस कर दो।”

## 2. पढ़िए और लिखिए :

- (1) लड़का - "मेरे पास चालीस अशरफ़ियाँ हैं।"
- (2) आसमान में घनघोर बादल आए हैं।
- (3) माँ ने कहा था, "बेटा, सदैव सच बोलना।"
- (4) हमेशा सत्य की ही जीत होती है।
- (5) हाँकी हमारा राष्ट्रीय खेल है।

### 3. आप अब्दुल कादिर की जगह होते तो क्या करते ?

- अब्दुल कादिर की जगह मैं होता तो
- कादिर की तरह मैं भी सच बोलकर अशरफियाँ डाकुओं को दे देता ।
- डाकुओं से कहता कि मैं इतना छोटा होते हुए भी सच बोलता हूँ और एक आप हैं कि भगवान के बताए हुए नेक रास्ते पर नहीं चलते और इस प्रकार बेईमानी की कमाई खाते हैं ।

#### **4. पढ़िए और समझिए :**

- |                     |                    |
|---------------------|--------------------|
| <b>(1) माँ</b>      | <b>× बाप</b>       |
| <b>(2) बड़ा</b>     | <b>× छोटा</b>      |
| <b>(3) सच</b>       | <b>× झूठ</b>       |
| <b>(4) नेक</b>      | <b>× बेर्इमान</b>  |
| <b>(5) प्रसिद्ध</b> | <b>× अप्रसिद्ध</b> |
| <b>(6) आज</b>       | <b>× कल</b>        |
| <b>(7) पास</b>      | <b>× दूर</b>       |

## 5. 'सच्चा बालक' कहानी का कथन एवं लेखन कीजिए ।

- एक समय की बात है । एक लंबा काफिला बगदाद की और जा रहा था । रास्ते मे उस पर डाक् टूट पड़े और लूटमार करने लगे । उस काफिले मे एक नौ वर्ष का बालक था । वह एक और चुपचाप खड़ा होकर यह लूटमार देख रहा था ।
- एक डाक् ने उस लड़के को देखा तो उससे भी पूछा । लड़का सच बोला । उसने अपनी सदरी का उस्तर फाइकर चालीस अशरफियाँ निकाली और उस डाक् को दे दी ।

- डाकुओं के सरदार को आश्चर्य हुआ कि इतने छोटे लड़के ने अपनी अशारफियाँ छुपाई क्यों नहीं । लड़के से पूछने पर उसने बताया कि वह अपनी माँ की सच बोलने की सीख मानता है । वह ऐसी मुसीबत के समय में भी माँ के साथ गदारी करना नहीं चाहता । इसलिए वह सच बोला ।
- इतने छोटे लड़के को अपनी माँ की सीख पर अंडिग रहते देखकर डाक् और उनके सरदार का दिल पसीज गया । उन्होंने लूटा हुआ माल वापस करदिया और नेक रास्ते पर चलने की प्रतिशा की ।

➤ सच बोलनेवाले इस बालक का नाम अब्दुल कादिर था । वह  
बड़ा होकर महान संत हुआ । उनकी समाधि बगदाद मे है ।  
वहाँ बड़ी संख्या मे लोग दर्शन के लिए जाते है ।

## 6. पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

### हिन्दी दैनिकपत्र

अहमदाबाद, रविवार 28 अगस्त, 2011

वडोदरा में पहली बार गणेशजी की मिट्टी की प्रतिमा स्थापित होगी



वडोदरा । उत्सवप्रिय नगरी वडोदरा में गणेशोत्सव के कुछ ही दिन शेष होने से शहर के छोटे-मोटे युवक मण्डलों द्वारा गणेशजी की प्रतिमा स्थापित करने के लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं । ऐसे समय पर्यावरण तथा पीओपी के प्रतिबंध को ध्यान में रख शहर के राजमहल रोड स्थित ताड़फलिया सार्वजनिक युवक मण्डल ने इस वर्ष पहली बार गणेशजी की मिट्टी की प्रतिमा स्थापित करने का निर्णय किया है । ताड़फलिया युवक मण्डल द्वारा प्रथमबार २२ फुट ऊँची तथा आठ

# हिन्दी दैनिकपत्र

अहमदाबाद, रविवार 28 अगस्त, 2011

## वडोदरा में पहली बार गणेशजी की मिट्टी की प्रतिमा स्थापित होगी



सौ किलो वजन की विशालकाय गणेशजी की प्रतिमा बनाने का बीड़ा उठाया गया है। प्रतिमा के निर्माण के लिए कोलकाता से विशेष मूर्तिकार तपन मंडल के कलाकारों को बुलाया गया है। यह कलाकार पिछले डेढ़ माह से शहर का मेहमान बना है तथा शास्त्रोक्त विधि के अनुसार वह गणेशजी की मिट्टी की प्रतिमा को अंतिम रूप दे रहा है।

## प्रश्न

- (1) अखबार में छपा समाचार कब प्रसिद्ध हुआ है ?  
➤ अखबार में छपा समाचार 28 अगस्त, 2011 के दिन प्रसिद्ध हुए हैं।
- (2) समाचार की हेडलाइन पढ़िए।  
➤ वडोदरा में पहली बार गणेशजी की मिट्टी की प्रतिमा स्थापित होगी
- (3) समाचार किसके बारे में है ?  
➤ समाचार वडोदरा में गणेशोत्सव के लिए तैयार होनेवाली गणेशजी की 22 फूट ऊँची और आठ सौ किलो वजन की मिट्टी की प्रतिमा के बारे में है।

(4) समाचार पत्र के संदर्भ में कोई चार प्रश्न बनाकर उत्तर लिखिए।

►(अ) ये किस शहर के समाचार हैं ?

उत्तर : ये वडोदरा शहर के समाचार हैं ।

►(ब) कौन-से मंडल ने गणेशजी की प्रतिमा स्थापित करने का निर्णय किया है ?

उत्तर : ताड़ फलिया सार्वजनिक युवक मंडल ने गणेशजी की प्रतिमा स्थापित करने का निर्णय किया है ।

►(क) गणेशजी की प्रतिमा किससे बनाने का निर्णय किया है ?

उत्तर : गणेशजी की प्रतिमा मिट्टी से बनाने का निर्णय किया है ।

› (ड) प्रतिमा-निर्माण के लिए किसको बुलाया गया है ?

उत्तर : प्रतिमा-निर्माण के लिए कोलकाता से विशेष मूर्तिकार को बुलाया गया है ।

(5) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द ढूँढ़िए:

- |            |                   |
|------------|-------------------|
| (1) नगर    | - <u>शहर</u>      |
| (2) बड़ी   | - <u>विशालकाय</u> |
| (3) गणपति  | - <u>गणेश</u>     |
| (4) खास    | - <u>विशेष</u>    |
| (5) अतिथि  | - <u>महेमान</u>   |
| (6) मूर्ति | - <u>प्रतिमा</u>  |

## स्वाध्याय

### 1. प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) काफ़िला कहाँ जा रहा था ?

✓ काफ़िला बगदाद जा रहा था ।

(2) बालक की उम्र कितनी थी?

✓ बालक की उम्र नौ साल की थी ।

(3) लड़के के पास कितनी अशरफ़ियाँ थीं?

✓ लड़के के पास चालीस अशरफ़ियाँ थीं ।

**(4) लड़के ने अशरफियाँ कहाँ रखी थीं?**

✓ लड़के ने अशरफियाँ अपनी सदरी के अस्तर मे रखी थीं ।

**(5) लड़के की माँ ने उसे क्या सीख दी थी?**

✓ लड़के की माँ ने उसे हमेशा सच बोलने की सीख दी थी ।

**(6) डाकुओं ने लड़के से क्या सीखा ?**

✓ डाकुओं ने लड़के से ईमानदारी सीखी । उन्होने सोचा कि इतना छोटा लड़का अपनी माँ की सीख मानकर चलता है और हम हैं कि अपने भगवान के बताए हुए नेक रास्ते पर नहीं चलते । उस दिन से उन्होने लूटमार करना छोड़ दिया और नेक रास्ते पर चलने की प्रतिज्ञा की ।

**(7) सच बोलनेवाला बालक कौन था ?**

✓ सच बोलनेवाला बालक अब्दुल कादिर था ।

**(8) अब्दुल कादिर की समाधि कहाँ है ?**

✓ अब्दुल कादिर की समाधि बगदाद मे है ।

## 2. सही जोड़े मिलाइए और वाक्यप्रयोग कीजिए :

(1) कड़ककर बोलना

(2) घुटने टेकना

(3) नेक रास्ते पर चलना

(4) आँखों का तारा

(5) कान फूँकना

(1) सही रास्ते पर चलना

(2) निर्वाह करना

(3) खुश होना

(4) कठोरता से बोलना

(5) हार मानना

(6) बहुत प्यारा

(7) कान मे कहना

(5) नेकूँनों कूँकनों से करना हमें कहना। स्तोल्परा चलना

वाक्य : कुँझ बेद्ये अपेनै मिश्र किए कानुफूँकेर उनमें से गड़ात करवाते हैं।

# Thanks



## For watching